

29/11

बहुलाय वरीकत उपर-कन वरतल  
प्रतिवादीगण। न आण नै लयाव रेदु  
अपान चाहा। जिम पर वरतल वाडी न  
संसारि वरत दुव सिपसक सिपा कि  
बा-बात अपान दुसरे जाल न

बावपड या उतर ज्ञान जगति प्राप्त  
मरी लक्ष्मी जा रही है। इति इति मरी  
खाल विमान का है। अतः उतर जगति  
का अर्थ (ब्रह्म) लक्ष्मी जाव मरी, इति  
इतिनाद परमात्मा जाव।

इति जगत्पत्नी मरु इति

इति मरुत्पत्नी / अथ मरुत्पत्नी (इति)

प्रतिपत्ति के इति जगत्-जगत् इति लक्ष्मी  
जाने के बावपड जगति नहीं है। इति  
जाने के इति जगत् का अर्थ (ब्रह्म) स  
लक्ष्मी जाव। मरी या यह पर इतिनाद  
अथ पाया जाने पर इतिनाद लक्ष्मी जाव।

इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी  
इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी

इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी  
इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी

इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी  
इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी

इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी  
इतिनाद लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी मरुत्पत्नी

उपखण्ड अधिकारी  
(बीकानेर)

